नवदुर्गा स्तोत्रं

नवदुर्गा स्तोत्रं

शैलपुत्री –
वंदे वांछितलाभाय चंद्रार्धकृतशेखरां |
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीं || 1 ||

ब्रह्मचारिणी –
दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला कमंडलू |
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा || 2 ||

चंद्रघंटा –
पिंडजप्रवरारूढा चंडकोपास्त्रकैर्युता |
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघंटेति विश्रुता || 3 ||

कूष्मांडा –
सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च |
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्मांडा शुभदास्तु मे || 4 ||

स्कंदमाता –
सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया |
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी || 5 ||

कात्यायनी –
चंद्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना |
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी || 6 ||

कालरात्री –
एकवेणी जपाकर्णपूर नग्ना खरास्थिता |
लंबोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी ||
वामपादोल्लसल्लोहलताकंटकभूषणा |
वर्धन्मूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी || 7 ||

महागौरी –

श्वेते वृषे समारूढा श्वेतांबरधरा शुचिः |

महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा || 8 ||

सिद्धिदात्री –

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि |

सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी || 9 ||

इति नवदुर्गा स्तोत्रं |